ज्ञानदीप

स्वर्ण जयंती Golden Jubilee (1959-2009)
ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020) 26122271, 26123436, 26123680, 26113455
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669
रेलवे – 53101, 53102, 53103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860,
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम: रेलपथ
वेबसाइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 13 **अंक – 50** **अप्रैल – जून 2009**

इस अंक में

1. मुख्य रेलपथ इंजी.(टीएमसी) के लिए सेमिनार
2. उप मुख्य इंजी. (डिजाइन) के लिए सेमिनार
3. मुख्य इंजी.(निर्माण)की कार्यशाला
4. रेल सप्ताह समारोह
5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 103वीं बैठक
6. यूनीकोड पर दो दिन की कार्यशाला
7. प्राध्यापक, पुल का इटली दौरा
8. इरिसेन वेबसाइट में प्रगति
9. इरिसेन छात्रावास में लिफ्ट की सुविधा
10. निर्माणाधीन इरिसेन भवन
11. वेन्डिंग मशीन
12. अन्य पाठ्यक्रम
13. बधाई / शुभकामनाएं
14. शब्द ज्ञान
15. सृजन

1. मुख्य रेलपथ इंजी.(टीएमसी) के लिए सेमिनार

'दिनांक 28 एवं 29 मई,09 को इरिसेन में मुख्य रेलपथ इंजी. (टीएमसी) के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यसूची की मदों पर विचार विमर्श के अलावा वर्कशॉप के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए : मु.इंजी.(टीएम), पू.म.रे., मु.इंजी.(टीपी), प.रे. द्वारा 'कम्प्लीट मेकेनाइजेशन ऑफ ट्रैक बाय 2012–चैलेंजेज एंड स्ट्रेटेजिज', मु.इंजी.(टीएम), द.म.रे, मु.इंजी.(टीएम), म.रे एवं उप मु.इंजी.(टीटी), पू.रे. द्वारा 'क्लबिंग ऑफ मशीन' एवं 'मेंटेनेंस ऑफ मशीन', निदेशक, टीएम, आरडीएसओ द्वारा 'टीएम–115 रिपोर्ट', कार्यकारी निदेशक, टीएमसी, रेलवे बोर्ड द्वारा 'टेक्निकल एंड कॉन्ट्रेक्चुअल इशूज', मु.इंजी.(टीएमसी), द.म.रे. द्वारा 'फील्ड से संबंधित विषय', निदेशक, टीएम, आरडीएसओ द्वारा 'आरडीएसओ से संबंधित विषय', उप मु.इंजी.(टी.एम.), द.रेल द्वारा 'स्मॉल ट्रैक मशीन'इत्यादि । प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की प्रशंसा की गई।



सेमिनार के दौरान अधिकारीगण उपकरण का मुआयना करते हुए

2. उप मुख्य इंजी. (डिजाइन) के लिए सेमिनार

दिनांक 27 एवं 28 अप्रैल,09 को इरिसेन में उप मुख्य इंजी.,डिजाइन के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। विभिन्न संरचनाओं के डिजाइन पहलू पर विचार विमर्श के अतिरिक्त वर्कशॉप के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए : श्री एस.डी.लिमये, भू.पू.मु.इंजी, केआरसीएल द्वारा 'सेफ्टी इन आरओबी वर्क्स', 'नेट वर्किंग ऑफ रेलवे डिजाइन ऑफिसेस', श्री ए.डी.पांडे, आईआईटी, रूड़की द्वारा 'न्यू फटिग प्रोविजन' इडीसीइ(बी एंड एस), आरडीएसओ द्वारा ' चेकिंग ऑफ ब्रिजेज फॉर हायर लोडिंग स्टैंडर्ड' श्री पी.के.जैन, केआरसीएल द्वारा (i) 'सीस्मिक कंसीडरेशन इन ब्रिज डिजाइन' (ii) 'स्कोप फॉर यूज ऑफ एफइएम इन रेलवे ब्रिज डिजाइन' (iii) 'मेथड ऑफ प्रूफ चेकिंग', इडीसीइ (बी एंड एस) रेलवे बोर्ड द्वारा 'ब्रिज लोडिंग', उप मुख्य इंजी., (डी) बीबीएस, पूर्व तटीय रेल द्वारा 'इंस्ट्रूमेंटेशन ऑफ ब्रिजेज एंड कंम्प्यूटेशन ऑफ रेसिडयुल फटिग लाईफ ऑन इट्स बेसिस',उप मुख्य इंजी.(डी.) उ.रेल द्वारा 'चूजिंग ऑफ कंसल्टेंट फॉर डिजाइन, प्रूफ चेकिंग' इत्यादि । सेमिनार अर्थपूर्ण रहा ।

3. मुख्य इंजी.(निर्माण) की कार्यशाला

दिनांक 29 एवं 30 अप्रैल,09 को इरिसेन में मुख्य इंजी.(निर्माण) की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यसूची मदों के अतिरिक्त वर्कशॉप के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए। मु.इंजी, उ.रेल द्वारा 'एस्थेटिक्स इन कंस्ट्रक्शन' एवं 'प्रोजेक्ट मेनेजमेंट कंसल्टेन्सी डिफरेन्ट

संरक्षक
ए. के. गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
मनोज अरोरा
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, ट्रैक मशीन

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

मॉडल्स', मु.इंजी.(नि.) द.रेल द्वारा 'रेकार्डिंग ऑफ मेजरमेंट' मु.इंजी. (नि.) उ.पू.रेल द्वारा 'क्वालिटी कंट्रोल इन रेलवे', मु.इंजी. (नि.) द.प.रेल द्वारा 'प्रोजेक्ट मैनेजमेंट ऑफ मलेशियन रेलवे प्रोजेक्ट (रॉवांग लिपो डबल ट्रैक)', मु.इंजी., (नि.1), प.म.रेल द्वारा 'मेथड टू डिसाइड स्पैन अरेंजमेंट एंड फाउंडेशन फॉर रेलवे ब्रिज'।

4. रेल सप्ताह समारोह



रेल सप्ताह के दौरान निदेशक, इरिसेन संबोधित करते हुए

संस्थान में दिनांक 16 अप्रैल,09 को रेल सप्ताह उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर इरिसेन के संकाय सदस्यो, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। तदुपरांत निदेशक महोदय ने भारतीय रेल की उन्नति के लिए इरिसेन की समर्पित सेवाओं के संकल्प को दोहराते हुए संस्थान में आयोजित नए नए आयामों एवं उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित किया।

5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 103वीं बैठक



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 103वीं बैठक का दृश्य

दिनांक 28 अप्रैल, 09 को इरिसेन में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 103वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं निदेशक ने बताया कि संस्थान पूर्णत: तकनीकी क्षेत्र होने के कारण राजभाषा के क्रियान्वयन पर कार्य का स्कोप सामान्य रूटीनबद्ध कार्यों में होता है, परंतु संस्थान में लेक्चर नोट, पुस्तकें एवं फिल्म, प्रयोगशाला में प्रयोगशीट इत्यादि जो प्रशिक्षण सामग्रियां उपलब्ध करायी जाती है उनमें पहले चरण में समेकित पाठ्यक्रम के प्रशिक्षुओं की प्रशिक्षण सामग्रियां हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध कराने पर जोर दिया ताकि अर्जित ज्ञान से वे अपनी फील्ड में अधीनस्थ कर्मचारियों को बेहतर तरीके से समझा सकें। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े सुपरवाइजरों को भी प्रशिक्षण देना है, ऐसी परिस्थिति में अधिक से अधिक प्रशिक्षण सामग्रियों का द्विभाषीकरण करना आवश्यक होगा। आधुनिकीकरण के इस दौर में संस्थान में नए–नए विषयों पर नए–नए पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाता है और पाठ्य सामग्रियों में तदनुसार परिवर्तन होते रहते हैं। अत: अनुवाद कार्य की भी निरंतरता बनी रहती है। हाल ही, में संस्थान के स्थापना दिवस के स्वर्ण जयंती के अवसर पर तीन पुस्तकें एवं एक फिल्म बनाई गई है ताकि रेल के हर स्तर के कर्मचारियों को इसका लाभ मिल सके। अध्यक्ष महोदय ने विशेष जोर देते हुए कहा कि इनके हिंदीकरण से निचले स्तर के तकनीकी कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

6. यूनीकोड पर दो दिन की कार्यशाला

संस्थान में दिनांक 16 एवं 17 जून, 2009 को यूनीकोड के संबंध में दो दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कंप्यूटर पर काम करने वाले सभी कर्मचारीगण उपस्थित हुए। हिंदी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक, श्री आर.के. वर्मा ने यूनीकोड के उपयोग के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देते हुए कार्यशाला के दौरान उपस्थित कर्मचारियों को यूनीकोड को सक्रिय करने की जानकारी दी एवं अभ्यास कराया। कार्यशाला का आयोजन अर्थपूर्ण रहा।



श्री वर्मा, सहा.निदे. हिंदी शि.यो. यूनीकोड का परिचय देते हुए।

7. इरिसेन वेबसाइट में प्रगति

इरिसेन वेबसाइट सदस्यों के लिए अधिक उपयोगी बनाने हेतु इस तिमाही के दौरान निम्नलिखित सुधार किए गए :

- रेलवे बोर्ड से प्राप्त परिपत्रों को अलग–अलग विषयों में बांटा गया ताकि आवश्यक पत्र ढूंढना आसान हो जाए।
- इस तिमाही में वेबसाइट पर सदस्यों के लिए ट्रैक मैनुअल, अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग मैनुअल, फ्युजन वेल्डिंग मैनुअल, ट्रैक मशीन मैनुअल तथा इंजीनियरिंग कोड अपलोड किए गए हैं।
- इस तिमाही में मेकेनिकल विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण मैनुअल भी वेबसाइट पर डाले गए है।
- यात्री सुविधाओं के विषय पर उत्तर मध्य रेल द्वारा प्रकाशित पुस्तिका, दक्षिण मध्य रेल, निर्माण विभाग द्वारा प्रदत्त पुलों की ड्राईंग, आरडीएसओ द्वारा भू–तकनीकी संबंधित ई– ज्ञान तथा इरिसेन की 4 पुस्तकों को अपलोड कर मेंबर एरिया को समृद्ध बनाया गया है।

सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी का लाभ उठाएं तथा चर्चा मंच में नियमित रुप से भाग लें ताकि ज्ञान के आदान–प्रदान का इरिसेन का प्रयास और अच्छी तरह फलीभूत हो।

8. प्राध्यापक, पुल का इटली दौरा



MERMEC मुख्यालय मोनोपोली में प्रशिक्षण

श्री विवेक भूषण सूद, प्राध्यापक–पुल पांच दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में इटली गए थे जो पश्चिम रेल एवं मध्य रेल के उपनगरीय प्रणाली पर 5-5 कि.मी. के पायलट सेक्शन पर 'ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम' के क्रियान्वयन का हिस्सा था। कार्यक्रम में सात अधिकारियों (रेलवे बोर्ड से एक, पश्चिम रेल से एक, इरिसेन से एक एवं मुंबई रेल विकास निगम से चार) ने भाग लिया।



Archimede डायग्नोस्टिक ट्रेन के भीतर प्रशिक्षण का दृश्य

इस कार्यक्रम के अंतर्गत इटालियन रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजिंग कंपनी के अधिकारियों द्वारा रोम में तथा कंपनी के अधिकारियों द्वारा मोनोपोली में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। ट्रैक प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने डायग्नोस्टिक ट्रेन बोर्ड पर भी प्रशिक्षण लिया जिससे ट्रैक पैरामीटर के साथ–साथ ओवर हेड विद्युत, सिगनलिंग तथा टेलीकॉम्युनिकेशन पैरामीटर का माप 200 कि.मी प्र.घं. की रफ्तार पर लिया जाता है। इस प्रशिक्षण में अर्जित ज्ञान से इरिसेन के प्रशिक्षु अधिकारियों को ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम के संबंध में लाभ मिलेगा।

9. इरिसेन छात्रावास में लिफ्ट की सुविधा



इमारत में लिफ्ट की सुविधा का निर्माण कार्य

इरिसेन छात्रावास में प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उपरी मंजिल तक पहुंचने हेतु लिफ्ट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे विभिन्न पाठ्यक्रमों में भाग लेने वाले अधिकारीगण तथा अस्वस्थ प्रशिक्षुओं को अपने कमरे तक पहुंचने में सहूलियत होगी।

10. निर्माणाधीन इरिसेन भवन



निर्माणाधीन इरिसेन भवन

कोरेगांव स्थित शांत एवं हरित वातावरण में, इरिसेन छात्रावास के निकट, इरिसेन के नए भवन का निर्माण किया जा रहा है। सभी आधुनिक साजसज्जा से युक्त इस भवन के निर्माण में पर्यावरण का खास खयाल रखा गया है । भारतीय रेल पर यह पहला ग्रीन बिल्डिंग होगा।

11. वेन्डिंग मशीन



चाय एवं कॉफी लेते हुए अधिकारीगण

संस्थान में अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान अल्प विराम के समय में अल्पाहार व चाय एवं कॉफी की व्यवस्था की जाती है जिससे वे इस अंतराल में तरोताजगी महसूस कर सकें। बेहतर चाय उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रयोग के तौर पर चाय, कॉफी एवं लेमन–टी की वेंडिंग मशीन लगाई गई है। इसमें शूगर फ्री एवं सामान्य चाय, कॉफी की व्यवस्था है। यदि यह व्यवस्था कारगर होती है तो इस मशीन को स्थायी रुप से लगाया जाएगा।

12. अन्य पाठ्यक्रम

- दि. 06 से 09 अप्रैल, 09 तक 'प्वाइंट एंड क्रासिंग बिछाना, प्लानिंग ऑफ यार्ड एवं एमएक्स रेल का उपयोग कर रेलपथ की डिजाइन' पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि.13 से 17 अप्रैल, 09 तक 'यूएसएफडी टेस्टिंग, वेल्डिंग एवं रेल ग्राइंडिंग, ट्रैक मॉनिटरिंग एवं हाई स्पीड तथा हैवी हाउल' पर विशेष पाठ्यक्रम।
- दि.13 से 17 अप्रैल, 09 तक 'पीएससी कंन्सट्रक्शन' पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि.13 से 17 अप्रैल, 09 तक 'रेलपथ मशीन एवं छोटी रेलपथ मशीन उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष पाठ्यक्रम' ।
- दि.20 से 24 अप्रैल, 09 तक 'रेलवे फार्मेशन एवं भू–तकनीकी जांच' पर विशेष पाठ्यक्रम।
- दि.20 से 24 अप्रैल, 09 तक 'हाइड्रोलिक डिजाइन, ब्रिचेज एंड फ्लड्स, रीस्टोरेशन एंड टनलिंग' पर विशेष पाठ्यक्रम।
- दि.27 अप्रैल से 15 मई 09 तक 'अर्थ क्वेक कम्पलाएंट स्ट्रक्चर सहित ब्रिज डिजाइन असिस्टेंट' के लिए विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि.04 से 08 मई,09 तक 'प्रोजेक्ट प्लानिंग एवं मेनेजमेंट' पर विशेष पाठ्यक्रम।

- दि. 11 से 15 मई, 09 तक 'ब्रिज एंड आर्च ब्रिज के निरीक्षण' पर विशेष पाठ्यक्रम।
- दि. 08 से 12 जून, 09 तक 'रेल व्हील इंटरेक्शन एंड डिरेलमेंट' पर विशेष पाठ्यक्रम।
- दि. 08 से 12 जून, 09 तक 'स्ट्रक्चर एंड लांचिंग ऑफ गर्डर के लिए फॉर्मवर्क' पर विशेष पाठ्यक्रम।
- दि. 08 से 19 जून, 09 तक 'पीएसयू/पीएमसी' के लिए विशेष पाठ्यक्रम।
- दि. 15 से 19 जून, 09 तक 'ब्रिज एंड स्ट्रक्चर की रीट्रोफिटिंग' पर विशेष पाठ्यक्रम।
- दि. 15 से 19 जून, 09 तक 'लैंड मेनेजमेंट,मार्डन बिल्डिंग एंड बिल्डिंग मटेरियल' पर विशेष पाठ्यक्रम।

13. बधाई / शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

03 जुलाई – श्री विवेक भूषण सूद, प्राध्यापक, पुल
18 सितंबर – श्री श्याम खोचे, सहा.कार्य.इंजी.–2

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

04 अगस्त – श्री विवेक भूषण सूद, प्राध्यापक, पुल

कर्मचारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

14 जुलाई – श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहा.ग्रंथपाल
20 जुलाई – श्री हरि विश्वकर्मा, कारपेन्टर ग्रेड –1
23 जुलाई – श्री राजू ताराचंद, वरिष्ठ सफाईवाला
11 अगस्त – श्री राजन, सहायक रसोइया
12 अगस्त – श्रीमती शांति सर्वनन, एमआर खलासी
12 अगस्त – श्री रामू तायप्पा, खलासी
21 अगस्त – श्री विनायक ना. सोहोनी, सेक्शन इंजी., पुल
22 अगस्त – श्री एल.पी. श्रीवास्तव, प्र.अनु.सहा., खेलकूद अधीक्षक
24 अगस्त – श्री श्रीमती विद्या जम्मा, निजी सहायक
01 सितंबर – श्री कुंडलिक तुकाराम मोरे, खलासी
10 सितंबर – श्री रमेश दादू, माली
12 सितंबर – श्री विजय हीरामन, खलासी
18 सितंबर – श्री प्रवीण रासकर, खलासी
21 सितंबर – श्री शिवशंकर शिंगे, खलासी

कर्मचारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

06 जुलाई – श्री एम.पेची, रसोइया
07 जुलाई – श्री परमेश्वर, खलासी
11 जुलाई – श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहायक ग्रंथपाल
21 जुलाई – श्री पी.विजयन, रसोइया

14. शब्द ज्ञान

Ex-cadre post	संवर्ग बाह्य पद
Ex-parte judgement	एकपक्षीय निर्णय
Free of charge	नि:शुल्क
Give effect to	कार्यान्वित करें
Hard and fast rule	पक्के नियम
Habitual defaulter	आदतन चूककर्ता
Highly objectionable	अत्यंत आपत्तिजनक
In good faith	सद्भावपूर्वक
Refresher Course	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
State-of-the art	अत्याधुनिक

15. सृजन

विज्ञान का अद्भुत चमत्कार – कंप्यूटर

वर्तमान आधुनिक युग पूर्णत: कंप्यूटर युग हो गया है । देश के कोने कोने पर यदि नजर डाली जाए तो हम इससे अभिज्ञ होंगे की लगभग सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर प्रवेश कर गया है। बैंक,रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा, बस स्थानक, डाकखाने, बड़े छोटे उद्योग, कारखाने, व्यवसाय, हिसाब किताब, यहां तक कि रुपए गिनने की मशीनें भी कंप्यूटरीकृत हो गई हैं। शिक्षा का क्षेत्र तो कंप्यूटर का सबसे लाभदायक क्षेत्र बन गया है जहां देश के अधिकतर बच्चे बाल्यकाल से ही कंप्यूटर की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अब भी यह कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग ही कहा जाता है। आनेवाले समय में इसके और विस्तृत फैलाव के संकेत मिलने लगे हैं।

कंप्यूटर आज की जरुरत बन गई है, इसके बिना काम चलाना आसान नहीं लगता। जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं में तो इसे शामिल नहीं किया जा सकता है परंतु, इसके बिना दुनिया आज अधूरी लगती है। मानव जीवन जटिलतम होता जा रहा है। सांसारिक गतिविधियां, परिवहन एवं संचार उपकरण आदि का विस्तार हो जाने से इन्हें सुचारु रुप से चलाना अत्यंत कठिन है। पहले व्यक्ति यदि 100 लोगों के संपर्क में आता था तो अब वह हजार के संपर्क में आता है। पहले पूरे दिन में 10-50 लोगों से मिलता था आज वह संख्या 50-100 में हो गई है पहले काम दिन में निपटा दिए जाते थे आज रातें भी व्यस्त हो गई हैं। आज व्यक्ति के संपर्क, व्यापकता एवं गतिविधियां बढ़ रही हैं, आकांक्षाएं चरम सीमा पर हैं, साधन भी बढ़ रहे हैं। परिणामस्वरुप सब जगह भाग दौड़ और आपाधापी मची हुई है।

इस उन्मादित गति को सुव्यवस्थित करने की समस्या ही आज प्रमुखता से है। ऐसे में कंप्यूटर एक ऐसी स्वचलित प्रणाली है, जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्थित कर सकती है। हड़बड़ी में होनेवाली मानव भूलों के लिए कंप्यूटर एक रामबाण औषधि है। लाखों, करोड़ों, अरबों और खरबों की गणना कंप्यूटर पलक झपकते ही पूरी कर डालता है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की भूमिका हो या उपग्रह को शटल में प्रस्थापित करने का काम कंप्यूटर ने इसे सरलता से बखूबी अंजाम दिया है। हड़बड़ाहट में या समयाभाव में भूल से कर्मचारी द्वारा होनेवाली गड़बड़ी को कंप्यूटर ने आसानी से संभालकर लोगों में काम के तनाव को कम कर दिया है।

कंप्यूटर के आगमन से फाइलों में दबे बाबू के आसपास का भार तो कम हो गया है साथ ही कार्यालय की सारी गतिविधियां सीडी में कैद कर स्टोरेज हेतु स्थान उपलब्धता की समस्या से भी निजात मिल गई है। कंप्यूटर पर यदि इंटरनेट की सुविधा है तो विश्व के किसी कोने में छपी पुस्तक, फिल्म या घटना की जानकारी भी उपलब्ध है।' वसुधैव कुटुम्बकम' की उक्ति को चरितार्थ करते हुए विज्ञान की इस देन ने कुटुंब रुपी संसार को आपके कमरे में उपलब्ध करा दिया है। रक्षा उपकरणों में इसके योगदान से हजारों मील दूर बियाबान में छुपे आतंकियो पर सटीक निशाना साधने, सूक्ष्म से सूक्ष्म वस्तुओं को खोजने में इसका महत्वपूर्ण योगदान किसी से छुपा नहीं है। कंप्यूटर से मानव जीवन को सुविधा सरलता, सुव्यवस्था और सटीकता मिली है। आधुनिक युग के इस प्रबलतम योध्दा के बिना हर काम अधूरा है। इति. .

अरुणाभा ठाकुर, रा.अधी.

यदि कोई मनुष्य विश्वासों से प्रारंभ करेगा तो अंत संदेहों में होगा, परंतु यदि वह संदेहों से प्रारंभ कर सके तो अंत में उसे विश्वास की प्राप्ति होगी ।
– बेकन

मनोज अरोरा, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, ट्रैक मशीन, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स, **कल्याणी कॉर्पोरेशन,** 1464, सदाशिव पेठ, पुणे– 30. फोन : 24486080 द्वारा मुद्रित। (3000 प्रतियां)